* M A R - 0 0 9 - 0 0 1 6 4 1 - 5 0 - 2 *

MAR-009-001641 Seat No. _____

B. R. S. (Sem. VI) (CBCS) Examination

March / April - 2018

HIN-605 - Hindi : CORE - 22

(New Course)

Faculty Code : 009
Subject Code : 001641

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए ।

१ द्विवेदीजी के जीवन–कवन पर प्रकाश डालिए । १५

अथवा

१ निबंध के महत्व को स्पष्ट करते हुए निबंध की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । १५

२ 'अशोक के फूल' धार्मिक, सामाजिक एवं ऐतिहासिक दृष्टि से अपने ढंग का अनूठा निबंध है' समझाइए । १५

अथवा

२ साहित्यकार के दायित्व की विस्तृत चर्चा कीजिए । १५

३ निम्नांकित में से किन्हीं तीन की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : १५

(१) ''विचित्र देश है यह ! असुर आये, आर्य आये, शक आये, हूण आये, नाग आये, यक्ष आये, गंधर्व आये – न जाने कितनी मानव जातियाँ यहाँ आई और आज के भारत वर्ष के बनाने में अपना हाथ लगा गई ।''

(२) ''हिंदी को संसार के समूचे ज्ञान–विज्ञान का वाहक बनाना है । उसका कर्तव्य बहुत विशाल है । उसे अपने को महान् उत्तरदायित्व के योग्य सिद्ध करना है । मनुष्य का अज्ञान, मोह, कुसंस्कार और परमुखापेक्षिता से बचाना ही साहित्य का वास्तविक लक्ष्य है ।''

(३) ''हरिश्चंद्र ने जिस ब्राह्मण को सपने में दान दिया था, उसे अगर जायदाद पर कब्जे के लिए अदालत जाना पड़ता, तो वह भी दो–चार चश्मदीद गवाह खड़े कर देता । वे कहते – हमारे सामने इस विप्र को राजा हरिश्चन्द्र ने दान दिया था ।''

(४) ''आप मेरे आराध्य है, प्रभु है, पर वोट का ऐसा है कि वह तो जात वाले को ही जाएगा । जात से कोई खड़ा न होता, तो हम ज़रूर आपको ही वोट देते ।''

(५) ''रवीन्द्रनाथ अन्तर्मुख–साधक थे । हल्ला–गुल्ला करके ढोल पीट के, गला फाड़ के लेक्चरबाजी करके जो आंदोलन किया जाता है, वह उन्हें उचित नहीं जँचता था ।''

४ 'इंस्पेक्टर मातादीन चांद पर' निबंध का कथानक अपने शब्दों में लिखिए । १५

अथवा

४ 'परसाईजी ने समाज में व्याप्त विभिन्न समस्याओं पर करारा व्यंग्य किया है' पठित रचनाओं के आधार पर समझाइए । १५

५ परसाईजी का साहित्यिक परिचय दीजिए । १०

अथवा

५ 'एक काना : एक ऐंचकनाना' निबंध के कथानक की विस्तृत चर्चा कीजिए । १०